1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

एक आदमी था। उसे अपना घर अमंगल प्रतीत होने लगा, तो वह किसी गाँव में चला गया। वहाँ उसे गंदगी दिखाई दी, तो जंगल में चला गया। जंगल में एक आम के पेड़ के नीचे बैठा ही था कि एक पक्षी ने उसके सिर पर बीट कर दी। 'यह जंगल भी अमंगल है'–ऐसा कहकर वह नदी में जा खड़ा हुआ। नदी में उसने देखा कि बड़ी मछलियाँ छोटी मछलियों को खा रही हैं, तब तो उसे बड़ी घिन लगी। 'अरे, यह तो सारी सृष्टि ही अमंगल है। यहाँ मरे बिना छुटकारा नहीं, ऐसा सोचकर वह पानी से बाहर आया और आग जलाई। उधर से एक सज्जन आए और बोले–"भाई, यह मरने की तैयारी क्यों?" "यह संसार अमंगल है, इसलिए!"–वह बोला। उस सज्जन ने उत्तर दिया–"तेरा यह गंदा शरीर, यह चरबी यहाँ जलने लगेगी, तो यहाँ कितनी बदबू फैलेगी। हम यहाँ पास ही रहते हैं। तब हम कहाँ जाएँगे? एक बाल के जलने से ही कितनी दुर्गंध आती है! फिर तेरी तो सारी चरबी जलेगी! कितनी दुर्गंध फैलेगी, इसका भी तो कुछ विचार कर!" वह आदमी परेशान होकर बोला–"इस दुनिया में न जीने की सुविधा है और न मरने की ही, तो अब करूँ क्या?"

प्रश्न– 1. आदमी गाँव क्यों गया?
2. गाँव में उसे क्या बाधा दिखी?
3. नदी में उसने क्या देखा?
4. आग जलाने का क्या प्रयोजन था?
5. उस आदमी ने परेशान होकर क्या कहा?
6. लेखक क्या कहना चाहता है?